मेरे सतगुरु दीनदयाल काग से हंस बनाते भजन लिरिक्स

मेरे सतगुरु दीनदयाल,
काग से हंस बनाते।bd।

भरा जहां भक्ति का भंडार,
लग्या जहाँ सतगुरु का दरबार,
शब्द अनमोल सुनाते है,
मन का भरम मिटाते है,
मेरे सतगुरु दिनदयाल,
काग से हंस बनाते।bd।

गुरु जी सत का देते ज्ञान,
जीव का हो ईश्वर में ध्यान,
वो अमृत खूब पिलाते है,
मन प्यास बुझाते है,
मेरे सतगुरु दिनदयाल,
काग से हंस बनाते।bd।

गुरुजी लेते नहीं कुछ दान,
खुद ही रखते भक्तो का ध्यान,
वो अपना माल लुटाते है,
सभी का कष्ट मिटाते है,
मेरे सतगुरु दिनदयाल,
काग से हंस बनाते।bd।

करो सब गुरु चरणों में ध्यान,
ये तुमसे करते भक्त बयान,
सारा दुख गुरुजी मिटाते है,
की भव से पार लगाते है,
मेरे सतगुरु दिनदयाल,
काग से हंस बनाते।bd।

मेरे सतगुरु दीनदयाल,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

काग से हंस बनाते।bd।

गायिका – मीनाक्षी मुकेश।
प्रेषक – प्रमोद कुमार।
8601082149

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com